तेरे वास्ते रोता हूँ ज़मीन

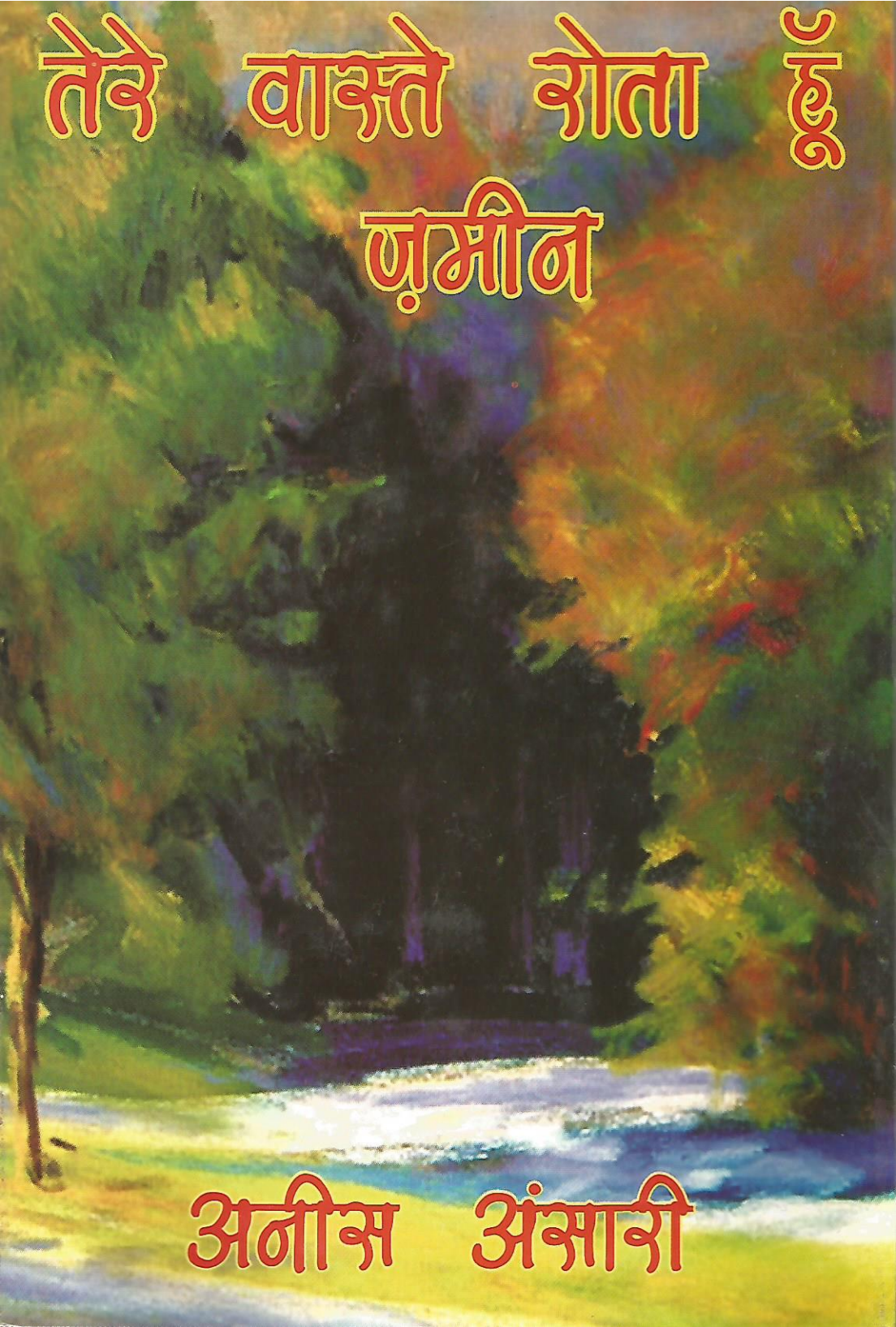

अनीस अंसारी

अनीस अंसारी के मुताल्लिक़

तारीख़ पैदाइश : 01 जुलाई, 1949
मुक़ाम : कस्बा बिन्दकी, जिला फतेहपुर
तालीम : बी0ए0, एल0एल0एम0
(अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय)
पेशा : आई0ए0एस0
तख़्लीक़ात :

1. शहर–ए–सराब (1981)
2. सूरज का सफर (1982) (देवनागरी)
3. जंग और मुहब्बत के दरमियान (1986)
4. अगले मौसम की खुश्बू (1995) (देवनागरी)
5. ज़िन्दगी वस्ल है (1997)
6. तीसरे दिन का सूरज (2001) (देवनागरी)
7. दर्द अभी महफूज़ नहीं (2008)
8. उर्दू और अंग्रेज़ी में अदबी और समाजी मज़ामीन

इनामात :

1. उ0प्र0 उर्दू अकादमी का 1987 के मजमूआ–ए–कलाम जंग और मुहब्बत के दरमियान' के लिए इनाम।
2. उ0प्र0 उर्दू अकादमी का 1996 में दोयम बेहतरीन इनाम।
3. आल इण्डिया मीर अकादमी, लखनऊ का 1994 में इम्तियाज़–ए–मीर' एवार्ड
4. आल इण्डिया मीर अकादमी का 'नवा–ए–मीर' एवार्ड (1987)
5. असलम मेमोरियल सोसाइटी, लखनऊ का 1995 में उर्दू ग़ज़ल एवार्ड
6. लता मंगेश्कर सम्मान समारोह 1995 में गवर्नर उ0प्र0 का स्मृति चिन्ह
7. उ0प्र0 हिन्दी उर्दू साहित्य एवार्ड कमेटी का 1995 में एज़ाज़,
8. भारतीय फ़नकार सोसाइटी, लखनऊ का 1996 में पंडित बृज नारायण चकबस्त इनाम
9. विजय कला न्यास फतेहपुर का मालती साहित्य एजाज़ 1999
10. उर्दू समाज, लखनऊ का सलमान अब्बासी एज़ाज़,
11. साकिब एजुकेशनल एण्ड वेलफ़ेयर सोसाइटी लखनऊ का 2001 में साकिब ऐडमिनिस्ट्रेटिव एज़ाज़
12. प्रोग्रेसिव कल्चरल सोसाइटी, लखनऊ का अदबश्री एवार्ड,
13. रोटरी क्लब, लखनऊ का वोकेशनल एवार्ड 2004–05
14. उ0प्र0 राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान का जयशंकर प्रसाद पुरस्कार 2005,
15. यू0पी0 फाउन्डेशन डे सेलिबेरेशन कमेटी, लखनऊ का यू0पी0 गौरव सम्मान 2005
16. एज़ाज रिज़वी मेमोरियल सोसाइटी, लखनऊ का एजाज रिज़वी मेमोरियल एवार्ड 2006,
17. मौलाना मोहम्मद अली जौहर अकाडमी नई देहली का मौलाना मोहम्मद अली जौहर एज़ाज़ 2006
18. हिन्दी उर्दू साहित्य एवार्ड कमेटी, उ0प्र0 का उर्दू अदब एवार्ड 2007,
19. उ0प्र0 राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान का 2008 के 'दर्द अभी महफूज़ नहीं' को फ़िराक़ गोरखपुरी सम्मान
20. इंस्टीट्यूट ऑफ मारकेटिंग एण्ड मैनेजमेन्ट, नई देहली का 1994 में इन्तियाज़ी प्रोफ़ेशनल मैनेजर का एज़ाज़ (Top Professional Manager of the Year Award-1994)

इन्तिसाब

अस्मा हुसैन

के नाम

तू सूरज है, मैं आईने का टुकड़ा
किरन छू कर सुनहरा हो गया हूं

फ़ेहरिस्त

नम्बर शुमार	उनवानात	सफ़ह
1.	अनीस अंसारी की शायरी और शख़्सियत	13
2.	ग़ज़ल चोट लगी तो अपने अन्दर चुपके चुपके रो लेते हो	67
3.	ग़ज़ल दर्द होता है बहुत, इश्क़ न सहना भाई	68
4.	उन्का	69
5.	ग़ज़ल दिल जो टूटा तो नई बात है क्या ? कुछ भी नहीं	70
6.	ग़ज़ल कोई आये अभी और आग लगाये मुझको	72
7.	उम्मीद की थकन	73
8.	इकाई	74
9.	ख़लिश	75
10.	कशमकश	76
11.	शौक़–ए–रफ़्तार	77
12.	नींद की देवी	78
13.	सहरा नवरदी	79
14.	वादा–ए–फ़र्दा	80
15.	कामकाजी ख़ातून	81

16. ग़ज़ल है मेरा नाम मुहम्मद सो मुझे आ के पकड़ 82

17. ग़ज़ल ख़ून सस्ता है मगर यूं न पिया जाये मुझे 83

18. ग़ज़ल मेरी शिकस्त में तेरी भी हार शामिल है 85

19. असहाब–ए–फ़ील 87

20. ग़ज़ल इस से पहले कि मेरे क़त्ल पे रूसवाई हो 88

21. ग़ज़ल मेरे नालों से ज़ालिम ख़ुद को इतना तंग कर बैठा 90

22. ग़ज़ल आजकल जब कि मेरे पास है फ़ुरसत जानां 91

23. ग़ज़ल गरदिश–ए–वक़्त ! हम क्यों ठिकाने लगे 93

24. ग़ज़ल होता मेरे घर भी बड़ा सामान वग़ैरह 95

25. ग़ज़ल मैं बेक़ुसूर था लेकिन क़ुसूरवार रहा 97

26. ग़ज़ल यार था, दरबार था, बज़्म–ए–अता थी, मैं न था 98

27. ग़ज़ल आज कल कुछ इताब में हैं क्या ? 100

28. बारिशों का नया मौसम 102

29. ग़ज़ल साज़िश–ए–दरबार थी और कुछ न था 103

30. ग़ज़ल दिल पर यूंही चोट लगी तो कुछ दिन ख़ूब मलाल किया 104

31. ग़ज़ल जिस को समझे थे तवंगर वह गदागर निकला 105

32. ग़ज़ल हम फक़ीराना शान वाले हैं 107

33.	ग़ज़ल	लुटेरे मौज हाकिम हो गये हैं	109
34.	ग़ज़ल	मुझ पे हर ज़ुल्म रवा रख कि मैं जो हूं सो हूं	111
35.	ग़ज़ल	गर मैं मिलने न गया उसने बुलाया भी न था	113
36.	ग़ज़ल	आंधी पुराने पेड़ गिरा कर चली गई	115
37.	ग़ज़ल	जब तेरी नज़रों से देखा तो बहुत ख़ूब लगी	117
38.	ग़ज़ल	दर्द अच्छा था रहा दिल में ही लावा न हुआ	118
39.	ग़ज़ल	बड़ी लज़्ज़त मिली दरबार से हक़ बात कहने में	120
40.	ग़ज़ल	ज़र्द बादल मेरी धरती पर उतर जाने को है	121
41.	ग़ज़ल	साक़ी तेरे होंटों पे मेरा नाम तो आये	123
42.	ग़ज़ल	सहरा से जब बस्ती लौटे दिल में ख़ूब मलाल रहा	125
43.	ग़ज़ल	मुआलिज ही रग–ए–दिल में रूकावट ढूंढ पाया था	126
44.	ग़ज़ल	यह रात जो अपनी सरहद से बड़ी है	127
45.	ग़ज़ल	मुझे वह ग़ैर सा समझा किया बरसों न जाने क्यों	129
46.	ग़ज़ल	कोई शाख़ तेरे विसाल की मेरे सहने दिल पे झुकी हुई	131
47.	ग़ज़ल	नाम तेरा भी रहे गा न सितमगर बाक़ी	132
48.	सब्ज़ पेड़ की आग		134

49.	ख़्वाब में देखी थी धनक	136
50.	ग़ज़ल मेरी हिमायत से तख़्त पर बैठते ही एकदम बदल गया वह	137
51.	ग़ज़ल हमें इससे ग़रज़ क्या क्या हुआ लाहौर दिल्ली में	139
52.	ग़ज़ल मियां बाज़ार में तस्बीह लेकर क्यों चले आये	140
53.	ग़ज़ल मुसाहिब पर नज़र शह की नहीं कैसे रसाई हो	141
54.	ग़ज़ल ग़ुरूब–ए–आफ़ताब के क़रीब शाम हो गई	144
55.	ग़ज़ल या रब मेरी आग को इतना भड़का दे	145
56.	तरजुमा मनक़बत	147
57.	मरसिया	148
58.	अब दिन डूब गयो राजा	150
59.	नदी किनारे कच्चा मकान	151
60.	जो दर्द अभी महफ़ूज़ नहीं	152
61.	ग़ज़ल भर नहीं पाया अभी तक ज़ख़्म–ए–कारी हाय हाय	154
62.	ग़ज़ल नसीहतों से न ख़ौफ़–ए–खुदा से डरता है	156
63.	ग़ज़ल अगर वह हाथ बढ़ा कर मुझे बचा जाता	158
64.	ग़ज़ल कैसे हो किधर गये हो भाई	160

65. ग़ज़ल शिकारी की नज़र मुझ पर नहीं वह ख़ूनज़ादा है 162

66. ग़ज़ल मेरा हर तीर निशाने पे न पहुंचा आख़िर 164

67. ग़ज़ल जहां दर था वहां दीवार क्यों है 165

68. कुत्ता है कि बछिया 167

69. ग़ज़ल हिजाब–ए–ख़ुश्नुमा उठ सा गया क्या ? 169

70. नाज़ुक रिश्ता 171

71. ग़ज़ल मुहाजिरों की तरह घर हमें बदलना पड़ा 172

72. ग़ज़ल रक़ीब–ए–ज़र्द रू मुझ से परेशां था सो अब भी है 173

73. ग़ज़ल रावी ने लिखा जंग का क़िस्सा वह अजब था 175

74. वक़्त की गेंद 177

75. ग़ज़ल यह शहर जो इतना चुलबुला था इसे अचानक यह क्या हुआ है 180

76. ग़ज़ल अदू हुशियार है सो उस की बातों में न आ जाना 181

77. ग़ज़ल मैं सहरा था जज़ीरा हो गया हूं 182

78. ग़ज़ल वह होशियार ख़ुश हुआ मेरी कमान छीन कर 183

89. ग़ज़ल कलमा–ए–हक़ पे मुझे इतना डराता क्या है 184

80. ग़ज़ल गुज़र गई लहर रेग–ए–जां पर
मिसाल–ए–सरसर तो मैंने देखा 186

81. ग़ज़ल इतने सूरज चमके मेरे आसमान में 187

82. ज़िन्दगी ऐ ज़िन्दगी ! 189

83. किस का मातम ? 190

84. शहर की सफ़ाई 191

85. जंगल कथा 192

86. बड़े लोग 193

87. ग़ज़ल एक परिन्दा झील से उड़ कर सरहद के उस पार गया 194

88. शहज़ादी–ए–दिल 195

89. ग़ज़ल इश्क़ से पहले कभी ग़म न सहा था तो सहो 197

90. मैं तेरे वास्ते रोता हूं ज़मीं 198

91. ग़ज़ल खुशियां बाज़ार में बिकती हैं मगर दाम कहां 204

92. बाबू के नाम 205

93. ग़ज़ल किसी भी तरह मुझे तख़्त से हटाना था 206

94. ग़ज़ल वह मुझ से बिछड़ा तो कुछ न बोला, जलाल अन्दर, इताब बाहर 208

95. ग़ज़ल मुझ से कहता है तू मुल्ला है, तुझे क्या मतलब? 209

96. चियाबाऊ 211

97. गज़ल बड़ा आज़ार–ए–जां है वह, अगरचे मेहरबां है वह 213

98. ज़मीनों को ख़ाली न रखना 215

99. गज़ल अब आ गया वक़्त–ए–आज़माइश तो डर न जाना अज़ाब होगा 217

100. दर्द कुछ देर अभी सोएगा 218

101. गज़ल दिल को कुछ समझा दो वरना दीवाने कहलाओगे 220

102. गज़ल दूर तलक सहरा दर सहरा, जख़्मी सी तन्हाई भी 222